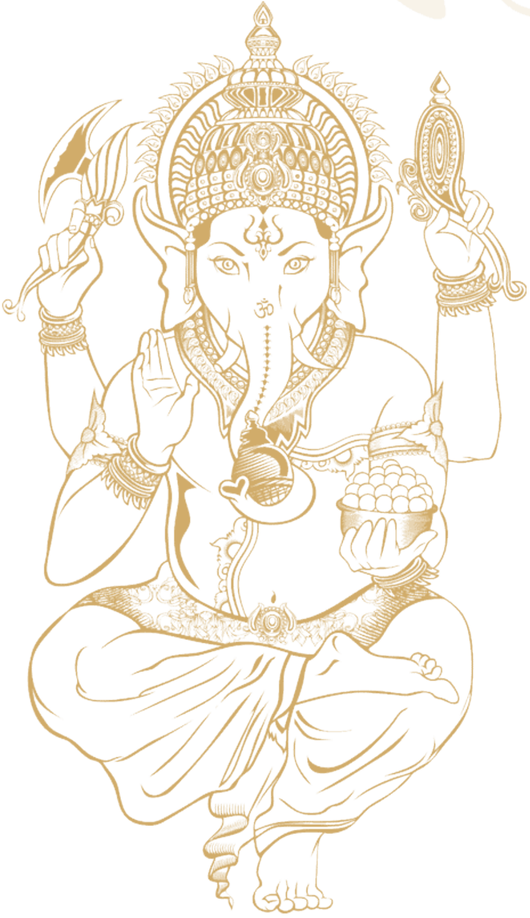

Avt

05 Sep 1984

02:46 PM

Panipat

Model: web-freekundliweb

Order No: 121397603

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	: **05/09/1984**
दिन	: बुधवार
जन्म समय	: **14:46:00 घंटे**
इष्ट	: 21:50:49 घटी
स्थान	: **Panipat**
राज्य	: Haryana
देश	: India

अक्षांश	: 29:24:00 उत्तर
रेखांश	: 76:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:22:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 14:23:52 घंटे
वेलान्तर	: 00:01:19 घंटे
साम्पातिक काल	: 13:22:32 घंटे
सूर्योदय	: 06:01:40 घंटे
सूर्यास्त	: 18:39:23 घंटे
दिनमान	: 12:37:43 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: शरद
सूर्य के अंश	: 19:20:39 सिंह
लग्न के अंश	: 12:24:12 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: धनु - गुरु
राशि-स्वामी	: **धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	: **पूर्वाषाढ़ा - 4**
नक्षत्र स्वामी	: शुक्र
योग	: सौभाग्य
करण	: वणिज
गण	: मनुष्य
योनि	: वानर
नाड़ी	: मध्य
वर्ण	: क्षत्रिय
वश्य	: मानव
वर्ग	: श्वान
युँजा	: अन्त्य
हंसक	: अग्नि
जन्म नामाक्षर	: ढा-ढालचंद
पाया(राशि-नक्षत्र)	: स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	12:24:12	342:04:18	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
सूर्य			सिंह	19:20:39	00:58:10	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मूलत्रिकोण
चंद्र			धनु	24:30:12	12:30:24	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
मंगल			वृश्चि	16:55:33	00:36:22	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	स्वराशि
बुध	व		सिंह	06:37:14	00:15:20	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	मित्र राशि
गुरु			धनु	09:33:11	00:01:13	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	स्वराशि
शुक्र			कन्या	11:29:15	01:13:41	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	नीच राशि
शनि			तुला	18:19:56	00:04:46	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	उच्च राशि
राहु	व		वृष	07:33:09	00:05:49	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	07:33:09	00:05:49	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	मित्र राशि
हर्ष			वृश्चि	16:02:09	00:00:56	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
नेप	व		धनु	05:01:16	00:00:09	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	---
प्लूटो			तुला	06:35:32	00:01:48	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	---
दशम भाव			कन्या	28:40:16	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:38:21

लग्न-चलित

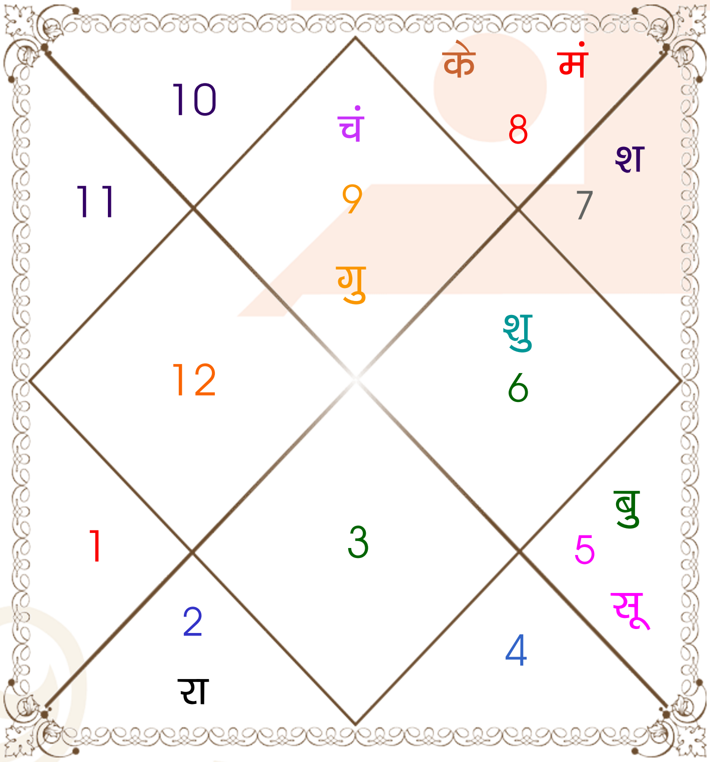

चन्द्र कुंडली

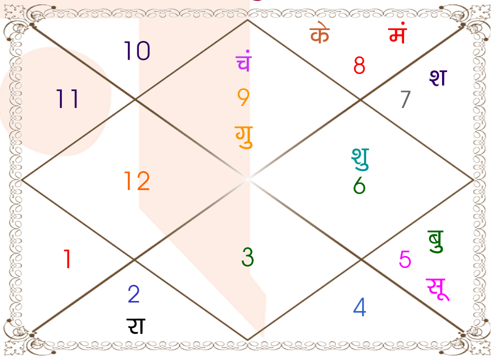

नवमांश कुंडली

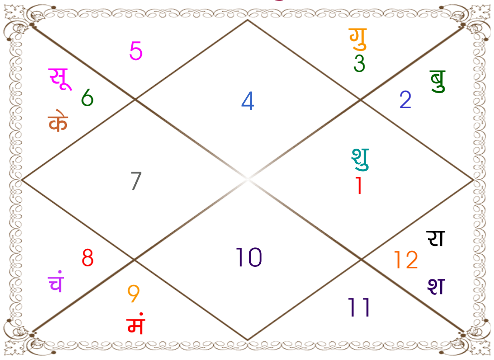

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 3 वर्ष 2 मास 28 दिन

शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष
05/09/1984	**04/12/1987**	**04/12/1993**	**04/12/2003**	**04/12/2010**
04/12/1987	**04/12/1993**	**04/12/2003**	**04/12/2010**	**04/12/2028**
00/00/0000	सूर्य 23/03/1988	चंद्र 04/10/1994	मंगल 01/05/2004	राहु 16/08/2013
00/00/0000	चंद्र 22/09/1988	मंगल 05/05/1995	राहु 20/05/2005	गुरु 10/01/2016
00/00/0000	मंगल 27/01/1989	राहु 03/11/1996	गुरु 26/04/2006	शनि 16/11/2018
00/00/0000	राहु 22/12/1989	गुरु 05/03/1998	शनि 05/06/2007	बुध 04/06/2021
00/00/0000	गुरु 10/10/1990	शनि 04/10/1999	बुध 01/06/2008	केतु 23/06/2022
00/00/0000	शनि 22/09/1991	बुध 05/03/2001	केतु 28/10/2008	शुक्र 22/06/2025
05/09/1984	बुध 29/07/1992	केतु 04/10/2001	शुक्र 28/12/2009	सूर्य 17/05/2026
बुध 04/10/1986	केतु 04/12/1992	शुक्र 05/06/2003	सूर्य 05/05/2010	चंद्र 16/11/2027
केतु 04/12/1987	शुक्र 04/12/1993	सूर्य 04/12/2003	चंद्र 04/12/2010	मंगल 04/12/2028

गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष
04/12/2028	**04/12/2044**	**04/12/2063**	**04/12/2080**	**04/12/2087**
04/12/2044	**04/12/2063**	**04/12/2080**	**04/12/2087**	**00/00/0000**
गुरु 22/01/2031	शनि 07/12/2047	बुध 02/05/2066	केतु 02/05/2081	शुक्र 05/04/2091
शनि 04/08/2033	बुध 17/08/2050	केतु 29/04/2067	शुक्र 02/07/2082	सूर्य 04/04/2092
बुध 10/11/2035	केतु 25/09/2051	शुक्र 27/02/2070	सूर्य 07/11/2082	चंद्र 04/12/2093
केतु 16/10/2036	शुक्र 25/11/2054	सूर्य 04/01/2071	चंद्र 08/06/2083	मंगल 03/02/2095
शुक्र 17/06/2039	सूर्य 07/11/2055	चंद्र 04/06/2072	मंगल 04/11/2083	राहु 03/02/2098
सूर्य 04/04/2040	चंद्र 07/06/2057	मंगल 01/06/2073	राहु 21/11/2084	गुरु 05/10/2100
चंद्र 04/08/2041	मंगल 17/07/2058	राहु 20/12/2075	गुरु 28/10/2085	शनि 05/12/2103
मंगल 11/07/2042	राहु 23/05/2061	गुरु 26/03/2078	शनि 07/12/2086	बुध 06/09/2104
राहु 04/12/2044	गुरु 04/12/2063	शनि 04/12/2080	बुध 04/12/2087	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 3 वर्ष 3 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपने जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किञ्जित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आपको अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सके। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकते हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखे।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहते हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगा एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगे तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगे। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगे। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगे। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति के प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगे। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगे तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगे तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतते रहे तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगे। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।